



एहि महुँ रघुपति नाम उदारा। अति पावन पुरान श्रुति सारा।।
मंगल भवन अमंगल हारी। उमा सहित जेहि जपत पुरारी।।

इसमें श्री रघुनाथ जी का उदार नाम है, जो अत्यन्त पवित्र है, वेद-पुराणों का सार है, कल्याण का भवन है और अमंगलों को हरने वाला है, जिसे पार्वती जी सहित भगवान् शिवजी सदा जपा करते हैं।
—श्रीरामचरितमानस/1

बधाई (चयनित/पदोन्नत)

स्थापना अनुभाग-1 से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार निम्नलिखित संकाय सदस्यों को 11.02.2026 से उनके नाम के आगे दिए गए वेतनमान में चयनित/पदोन्नत किया गया है:—

संकाय सदस्य का नाम	पिछला पदनाम	नया पदनाम	विभाग/केन्द्र	वेतनमान
प्रो. तन्मय दत्ता	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	रसायन विज्ञान विभाग	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. अशोक कुमार पटेल	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. श्री हर्षा कोटा	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी विभाग	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. सुभ्रा दत्ता	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	यांत्रिक इंजीनियरी विभाग	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-13ए2)
प्रो. अर्पण गुप्ता	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	यांत्रिक इंजीनियरी विभाग	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. जितेन्द्र पी. खटैत	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	यांत्रिक इंजीनियरी विभाग	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. सुराजीत चक्रवर्ती	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	सार्वजनिक नीति स्कूल	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. एन. श्रवण कुमार	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	गणित विभाग	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. विश्वनाथन पी. वीदू	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	गणित विभाग	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. महेश पी. अबेगांवकर	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान केन्द्र	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. पुष्पराम सिंह	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान केन्द्र	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)
प्रो. प्रभु बाबू	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान केन्द्र	₹ 1,59,100-2,20,200 (लेवल-14ए)

प्रो. मंजेश कुमार	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	रासायनिक इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. गौरब घटक	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. अर्पण चट्टोपाध्याय	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. सौतिक बेताल	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	विद्युत इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. अवनीश त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी केन्द्र	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. यामा दीक्षित	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	वायुमण्डलीय विज्ञान केन्द्र	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. ईशान गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	जैव-रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव-प्रौद्योगिकी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. तपन के. नायक	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. अनीता रॉय	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. शिल्पी मिनोचा	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. प्रदीप्ता घोष	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	भौतिकी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. बोधादित्य सांत्रा	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	भौतिकी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. सुजीत मन्ना	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	भौतिकी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. कौशिक मुखर्जी	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	यांत्रिक इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. कृष्णा के. अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	यांत्रिक इंजीनियरी विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. देबानंद मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	सार्वजनिक नीति स्कूल	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. राहुल गोयल	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	परिवहन अनुसंधान एवं चोट रोकथाम केन्द्र	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. राहुल मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान केन्द्र	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. सोनाली जैन	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	प्रबंध अध्ययन विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)
प्रो. गौरव कर	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	डिज़ाइन विभाग	₹ 1,39,600-2,11,300 (लेवल-13ए2)

डिप्टी वाइस प्रोवोस्ट, आई.आई.टी. दिल्ली-अबू धाबी की नियुक्ति/विस्तार

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/2025/68 दिनांक 06.02.2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली-अबू धाबी के लिए निम्नलिखित संकायाध्यक्ष को/के नियुक्त/कार्यकाल में विस्तार किया है:

क्र.सं.	पदनाम	संकाय सदस्य का नाम	अवधि
1.	उप वाइस प्रोवोस्ट (छात्र मामले)	प्रो. हरीश कुमार गणित विभाग	नव नियुक्ति (30.06.2026 तक)
2.	उप वाइस प्रोवोस्ट (बाहरी जुड़ाव)	प्रो. दिवाकर रक्षित ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी	30.06.2026 तक विस्तार

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (eDC), आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा BECon'26 का आयोजन

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (eDC), आई.आई.टी. दिल्ली, ने देश के सबसे बड़े विद्यार्थी-नेतृत्व वाले उद्यमिता सम्मेलनों में से एक, व्यवसाय और उद्यमिता सम्मेलन (BECon'26) का आयोजन किया, जो देश की अगली पीढ़ी के संस्थापकों, विचारकों और परिवर्तनकर्ताओं को आकार देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है।

आई.आई.टी. दिल्ली परिसर में 30 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक आयोजित BECon'26 "इंजीनियरिंग द माइंड ऑफ मशीन: क्राफ्टेड इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड" थीम को बढ़ावा देने हेतु देश भर के टाइकून संस्थापकों, CXOs, निवेशकों, नीति-निर्माताओं, उच्च सरकारी अधिकारियों, तकनीकी

मार्गदर्शकों और युवा स्टार्टअप निर्माताओं को एक ही मंच पर लेकर आया।

BECon'26 भारत की प्रमुख उद्यमिता आवाजों को एक मंच देता है, जिसमें 5,000 से अधिक संस्थानों, इनक्यूबेटर्स और एक्सेलेरेटर का प्रतिनिधित्व शामिल है। इस सम्मेलन में कई प्रभावशाली वक्तागण जैसे कि संजीव बिखचंदानी (संस्थापक, इन्फो एज इंडिया), प्रथम मित्तल (संस्थापक, मास्टर्स यूनियन), अशनीर ग्रोवर (सह-संस्थापक, भारतपे), राघव चंद्र (सह-संस्थापक, अर्बन कंपनी), वैभव तिवारी (सह-संस्थापक, पोर्टिया), नितिन जैन (ऑफ बिजनेस), शैलाज नाग (पेयू), नितन त्यागी (संस्थापक, डिफाइननेक्स्ट टेक्नॉलजीज), तन्मय भट्ट (कंटेक क्रिएटर और उद्यमी) और कई अन्य शामिल हुए। इस मंच ने उद्यमिता निर्माण, स्टार्टअप स्केलिंग और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में गहन जानकारी प्रदान की।

सम्मेलन में मूनशॉट, ब्लूप्रिंट, पिचिंग और फंडिंग प्लेटफॉर्म, इनक्यूबेटर्स सम्मेलन, नेटवर्किंग सत्र, गृह मंत्रालय (भारत सरकार) के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन, स्टार्टअप एक्सपो, ऑटो और टेक एक्सपो, हैंड्स-ऑन स्टार्टअप कार्यशालाएँ, नीति-केन्द्रित चर्चाएँ, क्रिएटर्स सम्मेलन और कई अन्य कार्यक्रम शामिल रहे, जिन्होंने सीखने, साझेदारी और क्रियान्वयन के लिए एक व्यापक मंच प्रदान किया।

मुख्य सम्मेलन की पूर्वसंध्या पर, BECon'26 ने मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, गुवाहाटी और जयपुर में क्षेत्रीय राउंड भी आयोजित किए, जिससे स्थानीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में मजबूत सहभागिता देखने को मिली। इन संस्करणों ने विद्यार्थी संस्थापकों, स्टार्टअप्स, निवेशकों और उद्योग जगत के लीडर्स को एक मंच पर लाया जिसका राष्ट्रीय स्तर पर सार्थक प्रभाव पड़ा।

आवश्यक हुआ ए.आई. को अपनाना

जसप्रीत बिंद्रा

अगर, 2024 वह साल था, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) ने बोलना सीखा तो 2025 वह साल रहा, जब ए.आई. के हाथ बड़े और उसका दायरा एवं प्रभाव बढ़ा। यह वह वर्ष रहा, जब ए.आई. निर्णायक रूप से डेमो और पायलट प्रोजेक्ट्स से आगे निकलकर वास्तविक क्रियान्वयन, स्वायत्तता और

बड़े पैमाने पर उपयोग में उतरा। चर्चा ए.आई. टूल्स के इस्तेमाल से आगे बढ़कर ए.आई. एजेंट्स के निर्माण पर आ गई। जेनरेटिव ए.आई. की जगह एजेंटिक ए.आई. प्रमुख अवधारणा बन गई। एजेंटिक ए.आई. ऐसे सिस्टम को कहते हैं, जो सिर्फ इंसानों को सलाह नहीं देते, बल्कि एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के भीतर बहु-चरणीय वर्कफ्लो को स्वयं अंजाम देते हैं। एजेंटिक ब्राउजर्स से लेकर ऑटोनॉमस कॉमर्स और वर्कफ्लो ऑटोमेशन तक, ए.आई. एक सहायक से

बढ़कर जूनियर सहयोगी की तरह व्यवहार करने लगा। वर्ष 2025 आत्ममंथन का भी साल रहा। कंपनियों ने दिखावटी प्रयोगों को छोड़कर ठोस और मापने योग्य रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट की मांग शुरू की। ए.आई. को अपनाना अब अपवाद नहीं, बल्कि ज़रूरत बन गया। कोडिंग पहला ऐसा उपयोग क्षेत्र बना, जहां ए.आई. का व्यापक पैमाने पर असर दिखा। क्लाउड, कर्सर और कोपायलट जैसे ए.आई. टूल्स एंटरप्राइज स्तर पर 40 प्रतिशत से अधिक नये कोड तैयार

करने लगे। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर की भूमिका भी बदलने लगी। अब वह सिर्फ कोड लिखने वाला नहीं, बल्कि मशीन श्रम का पर्यवेक्षक और सिस्टम आर्किटेक्ट बनता जा रहा है। सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के सी.ई.ओ. जैसन हुआंग के शब्दों में कहें तो हम सॉफ्टवेयर एजेंट्स के लिए एच.आर. मैनेजर बन गए हैं।

आने वाला साल हमें यह तय करने पर मजबूर करेगा कि हम ए.आई. के साथ कैसे जिएं, काम करें और शासन करें...

इस गुजरते साल पर्दे के पीछे ए.आई. की भौतिक नींव भी तैयार हो रही थी। एटम्स फॉर एल्गोरिदम्स आंदोलन के तहत बड़ी टेक कंपनियों ने गीगावाट-स्तरीय डाटा केंद्रों को ऊर्जा देने के लिए परमाणु ऊर्जा की ओर रुख किया। ए.आई. ने सिर्फ सॉफ्टवेयर को नहीं बदला, बल्कि वैश्विक ऊर्जा अवसंरचना को भी नए सिरे से आकार देना शुरू कर दिया। इसी बीच चीन ने बिना शोर-शराबे के वर्ष 2025 में बढ़त बना ली। उसका फोकस ए.जी.आई. (आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस) की समय-सीमाओं की घोषणा करने के बजाय अनुप्रयोगों, ओपन सोर्स नेतृत्व और ऊर्जा प्रचुरता पर रहा। ए.जी.आई. को मानव-स्तरीय ए.आई. भी कहा जाता है। यह एक ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता है, जो लगभग सभी संज्ञानात्मक कार्यों में मानव क्षमताओं के बराबर या उनसे भी आगे निकल सकती है। ओपन-सोर्स का स्वामित्व एक बार फिर दीर्घकालिक रणनीतिक बढ़त साबित हुआ। बीते वर्ष ने ए.आई. के स्याह पहलुओं को भी उजागर किया। हम उनकी अनदेखी नहीं कर सकते। डीपफेक्स ने दुनिया भर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए खतरा पैदा किया, ए.आई. कंपैनियंस ने अकेलेपन और मानवीय संबंधों को लेकर असहज सवाल खड़े किए और उद्योग एक डाटा सीमा से

टकरा गया, जिससे सिंथेटिक डाटा की और झुकाव बढ़ा। इसके बावजूद साल के अंत तक गूगल एक अप्रत्याशित ए.आई. लीडर के रूप में उभरा, जिसने चिप्स, मॉडल्स, डाटा और डिस्ट्रीब्यूशन में अपनी फुल-स्टैक ताकत का लाभ उठाया।

अगर वर्ष 2025 क्षमताओं का साल था तो 2026 विवेक का होगा। हम उस दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसे रीजनिंग वेब का युग कहा जाता है, जहां सर्च इंजन लिंक दिखाने के बजाय सीधे उत्तर देने वाले इंजन बन जाएंगे और ए.आई. ब्राउज़र ज्ञान को समेटकर प्रस्तुत करेंगे। हालांकि इससे वेब की आर्थिक संरचना को नए सिरे से गढ़ना पड़ेगा, अन्यथा यह उन्हीं क्रिएटर्स को नुकसान पहुंचाएगा, जिन पर ए.आई. निर्भर है। इसी समय एजेंट्स को-पायलट से आगे बढ़कर सहयोगी बन जाएंगे और हल्की मानवीय निगरानी में पूरा वर्कफ़्लो चला सकेंगे। वर्ष 2026 वह साल भी होगा, जब ए.आई. को शरीर मिलेगा। फिजिकल ए.आर.पी. रोबोट्स और ऑटोनॉमस सिस्टम्स प्रयोगशालाओं से बाहर निकलकर वेयरहाउस, फैक्ट्रियों और शहरों की सड़कों तक पहुंचेंगे। सेल्फ-ड्राइविंग कारों का अलग-अलग शहरों और महाद्वीपों में विस्तार इस बात का संकेत है कि एंबेडेड इंटेलिजेंस अब कल्पना नहीं, बल्कि वास्तविक संचालन बन चुका है। सेल्फ-ड्राइविंग कारें इंसानी हस्तक्षेप के बिना चल सकती हैं। अगले साल ए.आई. वैल्यूएशंस में सुधार जरूर आएगा, लेकिन गिरावट नहीं, क्योंकि तकनीक ठोस है, इन्फ्रास्ट्रक्चर गहरा है और कैश फ़्लो मजबूत है। इसके बजाय जो चीज़ सबसे मूल्यवान बनेगी, वह है मानवीय तत्व। जब ए.आई. -जेनरेटेड कंटेंट इंटरनेट पर बाढ़ की तरह फैल जाएगा, तब सत्यापित मानवीय रचनात्मकता, विवेक और जुड़ाव एक तरह की लगज़री बन जाएंगे।

कुल मिलाकर दुनिया के साथ-साथ भारत के लिए भी 2026 ए.आई. के क्षेत्र में

एक निर्णायक क्षण लेकर आएगा। संप्रभु ए.आई. इन्फ्रास्ट्रक्चर, क्षेत्रीय भाषाओं में कंटेंट का विस्फोट और जी.पी.यू. (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) तक पहुंच अब वास्तविक लगने लगी है। अगर 2025 ने हमें दिखाया कि ए.आई. क्या कर सकता है तो 2026 हमें यह तय करने पर मजबूर करेगा कि हम उसके साथ कैसे जिएं, काम करें और शासन करें। कच्ची बुद्धिमत्ता का युग पीछे छूट चुका है। अब विवेक का युग शुरू हो रहा है।

**सामार-दैनिक जागरण
दिनांक 27.12.2025**

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग-1 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/Pers./27796/2026 दिनांक 10.02.2026 के अनुसार श्री संदीप मीणा, प्रशासनिक सहायक (सी.आर. एफ.) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 10.02.2026 को स्वीकार कर लिया है। अतः श्री संदीप मीणा को 10.02.2026 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

राजभाषा हिन्दी के नियमों के अनुसार राज्यों का वर्गीकरण

- (i) क्षेत्र क-बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।
- (ii) क्षेत्र ख-गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।
- (iii) क्षेत्र ग-खंड (i) और (ii) में निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र।